

नसाभाररा EXTRAORDINARY

भाग II--- खण्ड 4 PART II—Section 4

PUBLISHED BY AUTHORIT

प्राधिकार से प्रकाशित

र्स. 18]

मई विस्ली, बुधवार, नवम्बर 18, 1987/कार्तिक 27, 1909

No. 181

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 18, 1987/KARTIKA 27, 1909

इस भाग में भिन्न पुष्ठ शंख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रका जासके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नई विल्ली, 18 नवस्थर, 1987

अधिसूचना

का. नि. आ. 23(अ).--केन्द्रीय सरकार, नौ सैना अधिनियम, 1957 (1957 का 62) की घारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदस्त मनितयों का प्रयोग करते हुए, यह घोषित करती है कि इस अधिसूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से छड़ मास की अद्धि के लिए, श्रीलंका में अथवा श्रीलंका को जाते हुए या लौटते हुए भारतीय गांति सेना में सेवा या कर्तंब्य, उक्त अधिनियम के अर्थ में और उसके प्रयोजनों के लिए सिक्रय सेवा होगा।

> फाइल सं. एम एफ/एन एल/4438] के. श्रोतिशसंत, संयुक्त सचित्र (नियी)

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 18th November, 1987

NOTIFICATION

S.R.O. 23 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1) of section 3 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby declares that for a period or six months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, service or duty with the Indian Peace Keeping Force in Sri Lanka or while proceeding to or returning from Sri Lanka, shall be active service within the meaning and for the purposes of the said Act.

[File No. MF|NL|4438]
K. SRINIVASAN, Joint Secy. (Navy)